ToB बालमंच

मासिक | जनवरी- 2025 | नन्हीं कलम से .....

नववर्ष, ToB स्थापना दिवस और गणतंत्र दिवस विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

जाड़े में मुंह से भाफ निकलती है, क्यों ?

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

सम्पादक :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक- 35

प्रधान संपादिका की कलम से

प्यारे बच्चों,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का नववर्ष, ToB स्थापना दिवस और गणतंत्र दिवस विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

कईयों के लिये नववर्ष आनन्द मनाने के साथ- साथ पूर्व वर्ष से सीखने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करने का अवसर है। इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विशेषांक में आप भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता नई ऊर्जा के साथ अवश्य सुनिश्चित करें। मुझे उम्मीद है की आप हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा ? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन के स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

हमारे देश के नौनिहालों और बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना तथा नववर्ष की ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ.....

आपकी....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका, ToB बालमंच

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

खुश रहो....

आप सभी को नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ! यह वर्ष आपके जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और अनगिनत खुशियाँ लेकर आए। ToB बालमंच, जो बच्चों की रचनात्मकता, कला, कविता, कहानी और कल्पनाओं का अद्‌भुत संगम है, का हिस्सा बनकर हमें गर्व महसूस होता है।

यह मंच बच्चों की सोच, सपनों और उनकी अभिव्यक्ति को आकार देने का अद्वितीय प्रयास है। आप सभी की रचनाएँ न केवल आपकी प्रतिभा को प्रदर्शित करती हैं, बल्कि हमें भी प्रेरित करती हैं। नव वर्ष एक नई शुरुआत का प्रतीक है, जो हमें अपने सपनों को और ऊँचाइयों तक ले जाने का अवसर देता है।

हम चाहते हैं कि इस वर्ष आप अपनी कल्पनाओं को नई उड़ान दें, नए विचारों से प्रेरित हों और अपनी कला, कविता, कहानी या चित्रकला के माध्यम से अपनी अनोखी दुनिया का निर्माण करें।

ToB बालमंच आपके हर कदम पर आपके साथ है। यह मंच आपका है और हमेशा आपकी रचनात्मकता और प्रतिभा का स्वागत करेगा।

नव वर्ष आपके लिए सृजन, सफलता और खुशियों से भरा हो।

तुम्हारा ही,

त्रिपुरारि राय
संपादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
संपादक-सह- ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. केशव कुमार, बु.वि. बखरी, मुरौल, मुजफ्फरपुर
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

प्रेरक प्रसंग

अटलजी और उनके पिता दोनों ने कानून की पढ़ाई में एकसाथ प्रवेश लिया। हुआ यह कि जब अटलजी कानून पढ़ने डीएवी कॉलेज, कानपुर आना चाहते थे तो उनके पिताजी ने कहा- 'मैं भी तुम्हारे साथ कानून की पढ़ाई शुरू करूंगा। वे तब राजकीय सेवा से निवृत्त हो चुके थे अत: पिता-पुत्र दोनों साथ-साथ कानपुर आए।' उन दिनों कॉलेज के प्राचार्य श्रीयुत कालकाप्रसाद भटनागर थे। जब ये दोनों उनके पास प्रवेश हेतु पहुंचे तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। दोनों का प्रवेश एक ही सेक्शन में हो गया।

जिस दिन अटलजी कक्षा में न आएं, प्राध्यापक महोदय उनके पिताजी से पूछें- 'आपके पुत्र कहां हैं?' और जिस दिन पिताजी कक्षा में न जाएं, उस दिन अटलजी से वही प्रश्न 'आपके पिताजी कहां हैं?'

फिर वही ठहाके। छात्रावास में ये पिता-पुत्र दोनों साथ ही एक ही कमरे में छात्र-रूप में रहते थे। झुंड के झुंड लड़के उन्हें देखने आया करते थे।

सच मे पढ़ने की कोई उम्र या सीमा नही होती।

****

शुभकामना सन्देश

प्रिय बच्चों,
'ToB बालमंच' के इस विशेष अंक के प्रकाशन पर आप सभी को ढेरों शुभकामनाएँ देता हूँ। यह मंच आपके भीतर छिपी हुई रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक सुनहरा अवसर है। आपकी ड्राइंग, पेंटिंग, कहानियाँ, चुटकुले और पहेलियाँ न केवल आपकी सोच और सृजनात्मकता का प्रमाण हैं, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व के विकास में भी सहायक होंगी।

यह पत्रिका बच्चों की उत्सुकता, ऊर्जा और मासूमियत को सहेजने का प्रयास है। मुझे गर्व है कि हमारे विद्यालय के बच्चे इतने प्रतिभाशाली और ऊर्जावान हैं। मैं आप सभी को प्रोत्साहित करता हूँ कि इस मंच का भरपूर उपयोग करें और अपनी कल्पनाओं को उड़ान दें। आपके द्वारा रचित प्रत्येक शब्द और चित्र इस मंच को रोशन करेंगे।

याद रखें, आपकी रचनात्मकता आपके भविष्य का आधार है। लिखने, रंग भरने और नई चीजें सीखने का यह जोश हमेशा बनाए रखें। बालमंच के माध्यम से आप न केवल खुद को व्यक्त कर पाएंगे, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा भी बनेंगे। मेरी शुभकामनाएँ हमेशा आपके साथ हैं। उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाते रहें।

स्नेह और आशीर्वाद सहित,
अशोक कुमार यादव, प्रधानाध्यापक
उ.म.वि.सरौनी,बौंसी, बांका

ToB School Activity Link.....

1) https://www.facebook.com/100023704275827/videos/1505626110132204/

2) https://www.facebook.com/100001815083630/videos/922535786667011/

3) https://www.facebook.com/100045108247993/videos/584123520894059/

4) https://www.facebook.com/100008399047217/videos/529393780150775/

5) https://www.facebook.com/100045108247993/videos/547242371609725/

6) https://www.facebook.com/100025391862273/videos/909867021301320/

कविता: दीया

सामने कुहरा घना है,
और मैं सूरज नही हूँ।
क्या इसी एहसास में जिऊँ?
या जैसा भी हूँ,
नन्हा-सा एक दीया तो हूँ।
क्यो नहीं उसी के उजास में जिऊँ?

हर आने वाला क्षण यही कहता है,
अरे भाई तू सूरज तो नही हो,
और मैं कहता हूँ,
न सही, मैं एक नन्हा दीया तो हूँ।
जितनी भी है लौ मुझमें,
उसे लेकर जिया तो हूँ।

कम से कम मैं उनमें तो नही,
जो चाँद दिल में बुझाए बैठे हैं।
हर रात को अमावस बनाए बैठे हैं।
उड़ते फिरते थे जो जुगनू आंगन में,
उन्हें भी मुट्ठियों में लोग दबाए बैठे हैं।

ऋचा श्रीवास्तव
वर्ग : अष्टम
गोगरी, खगड़िया

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें | उत्कृष्ट कहानी को अगले अंक में छपा जाएगा |कहानी के साथ अपना नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम अवश्य लिखें ||

बूझो तो जानें..

शब्दकोष में केवल एक ही शब्द है जिसकी वर्तनी गलत है। उस शब्द को बताओ....

उत्तर: 'गलत', 'Wrong'

हंसो रे बाबू

पप्पू – मां एक दिन बहुत बड़ा आदमी बनेगा और आपकी झोली खुशियों से भर दूंगा
मम्मी बेटा पहले यह पानी का बोतल भर कर फ्रिज में रख दे
नालायक

क्या आप जानते हैं ?

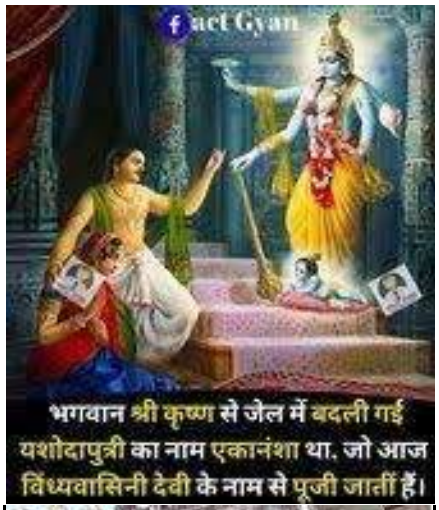

अंग्रेजी सीखें: ANTONYMES

What is an Antonym?

An antonym is a word/phrase that means the opposite of another word or phrase. Examples:

- Admire – Detest
- Bravery – Cowardice
- Crooked – Straight
- Dainty – Clumsy
- Economies – Waste
- Harmony – Discard
- Humility – Boldness
- Humble – Pride
- Just - Unequal, Unfair
- Liberal - Stingy, Malicious
- Merit - Demerit, Dishonor
- Modest - Arrogant, Pompous

फोटो ऑफ़ द मंथ.....

प्रमुख दिवसें

1 जनवरी: अंतरराष्ट्रीय वैश्विक परिवार दिवस

3 जनवरी: सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन

4 जनवरी: विश्व ब्रेल दिवस

5 जनवरी: अंतरराष्ट्रीय लुई ब्रेल दिवस

9 जनवरी: राष्ट्रीय प्रवासी भारतीय दिवस

12 जनवरी: राष्ट्रीय युवा दिवस

14 जनवरी: मकर संक्रांति

15 जनवरी: राष्ट्रीय थल सेना दिवस

25 जनवरी: राष्ट्रीय मतदाता दिवस और राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

26 जनवरी: गणतंत्र दिवस और अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस

27 जनवरी: राष्ट्रीय ज्योग्राफ़िक दिवस

28 जनवरी: लाला लाजपत राय जयंती और डेटा गोपनीयता दिवस

30 जनवरी: शहीद दिवस या शहीद दिवस, विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस

हिंदी ज्ञान: शब्द

शब्द क्या होते हैं?
वर्णों या अक्षरों से बना ऐसा समूह जिसका कोई अर्थ हो, उन समूह को शब्द कहा जाता है। जैसे: लड़का, लड़की आदि | दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से इन शब्दों की रचना हुई है। वर्णों के ये मेल सार्थक है, जिनसे किसी अर्थ का बोध होता है। 'घर' शब्द में दो वर्णों का मेल है, जिसका मतलब होता है मकान, जिसमें लोग रहते हैं।

अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं:- सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द

सार्थक शब्द- वे शब्द जिनसे कोई अर्थ निकलता हो, सार्थक शब्द कहलाते हैं, जैसे-नीम, व्यक्ति, रेल

निरर्थक शब्द:- वे शब्द जिनका कोई अर्थ ना निकल रहा हो या जो शब्द अर्थहीन हो, उनको निरर्थक शब्द कहा जाता है|
जैसे: देना-वेना, मुक्का-वुक्का, खाना-वाना

क्रमशः.....

पुस्तकालय कक्ष को आकर्षक बनते हुए मध्य विद्यालय पांक, जमलापुर (मुंगेर)

आओ योग सीखें.....

योग निद्रा

सुप्त निद्रा या योग निद्रा, जागने और सोने के बीच की गहरी विश्राम की अवस्था है। यह एक मानसिक और शारीरिक विश्राम की प्रक्रिया है। इसमें व्यक्ति पूरी तरह से जागरूक रहते हुए गहरी विश्राम की स्थिति में जाता है।

योग निद्रा करने का तरीका:- इसमें मननशील व्यायाम शामिल होते हैं, जैसे कि अपनी सांस या शरीर के विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना। शरीर को हिलाना नहीं है, नींद नहीं लेना है, विचारों से जूझना नहीं है। अपने शरीर व मन-मस्तिष्क को शिथिल कर दीजिए। पूरी साँस लेना व छोड़ना है।

योग निद्रा के कई फ़ायदे हैं:- नींद की कमी को पूरा करती है। थकान, तनाव, और अवसाद को दूर करती है। मानसिक स्पष्टता और एकाग्रता को बढ़ाती है। शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद करती है। आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति में मदद करती है।

* * * *

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

क्यों निकलती है जाड़े में मुंह से भाफ ?

जाड़े में मुंह से भाप निकलने की वजह ये है कि जब हम सांस छोड़ते हैं, तो हमारे शरीर से निकलने वाली गर्म हवा ठंडे वातावरण में पहुंचती है और उसका वाष्पीकरण हो जाता है| इस वजह से, मुंह से निकलने वाली हवा में मौजूद जलवाष्प ठंडी होकर छोटी-छोटी बूंदों में बदल जाती है| ये बूंदें मुंह के पास धुएं या बादल की तरह दिखती हैं| इसके अलावा, इन वजहों से भी सर्दियों में मुंह से भाप निकलती है| हमारे शरीर में पानी की मात्रा ज़्यादा होती है|

हमारे मुंह और फेफड़े नम रहते हैं | सांस छोड़ते समय हमारे शरीर से कार्बन डाई ऑक्साइड के साथ-साथ नाइट्रोजन, कम मात्रा में ऑक्सीजन, आर्गन, और नमी भी निकलती है|

गर्मियों में मुंह से भाप नहीं निकलती, क्योंकि तब शरीर का तापमान और बाहर का तापमान लगभग एक जैसा होता है| ऐसे में, नमी गैसीय अवस्था में ही बनी रहती है|

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

देशभक्ति गीत

सोये हुए शहीदों तुमको नमन हमारा।
प्यारा तिरंगा झंडा होऽ ऽ,
निशान है तुम्हारा।।

छाया आतंक का जब मेरे वतन पर बादल,
सोने की अपनी चिड़िया का
पर हुआ जब घायल,

अपने वतन के ख़ातिर निसार जां तुम्हारा।
प्यारा तिरंगा झंडा होऽ ऽ .....
सोये हुए शहीदों तुमको .....
तेरे लहू की खुशबू आती है हर चमन से,
तेरा ही नाम गूंजे हर वक्त इस वतन से,
देकर चले गए जो उपहार है तुम्हारा।
प्यारा तिरंगा झंडा होऽ .....

सोये हुए शहीदों .....
वीरों की है निशानी मेरा तिरंगा प्यारा,
तीन रंग में रंगा है धरती गगन हमारा,
झुकने न देंगे इसको ये शान है हमारा।
प्यारा तिरंगा झंडा होऽ ऽ .....

सोये हुए शहीदों तुमको नमन ...

संगीता कुमारी
उ. म. वि. अर्रा, मोहनिया

चतुर चूहा

एक चूहा था। वह रास्ते पर जा रहा था। उसे कपड़े का एक टुकड़ा मिला। वह उसे लेकर आगे बढ़ा । उसने एक दरजी की दुकान देखी । दरजी के पास जाकर उसने कहा-

चूहा : दरजी रे दरजी ! इस कपड़े की टोपी सी दे ।

दरजी : यह कौन बोल रहा है ?

चूहा : मैं चूहा;, चूहा बोल रहा हूँ । इसकी एक टोपी सी दे चल.....

दरजी : चल... रास्ता नाप। वरना कैची उठा कर मारूंगा ।

चूहा: अरे ! तू मुझे डरा रहा है।

कचहरी में जाऊँगा, सिपाही को बुलाऊँगा, तुझे खूब पिटवाऊँगा और तमाशा देखूँगा ।

यह सुन दरजी डर गया। उसने झटपट टोपी सी दी । टोपी पहनकर चूहा आगे बढ़ा। रास्ते में कशीदाकार की दुकान देखी। चूहे को टोपी पर कशीदा कढ़ाने की इच्छा हुई|

चूहा : भाई ! मेरी टोपी पर थोड़ा कशीदा काढ़ दे। कशीदाकार ने चूहे की ओर देखा । फिर उसे धमकाया और कहा 'चल... चल... यहाँ किसे फुरसत है| चूहा : अच्छा, तो तू भी मुझे भगा रहा है, लेकिन सुन, कचहरी में जाऊँगा, सिपाही को बुलाऊँगा, तुझे खूब पिटवाऊँगा और तमाशा देखूंगा। यह सुन कशीदाकार घबराया। उसने चूहे को कचहरी में जाने से रोका। उससे टोपी लेकर उस पर अच्छा कशीदा काढ़ दिया। चूहा तो खुश हो गया ।

शिक्षा: जीवन में किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए

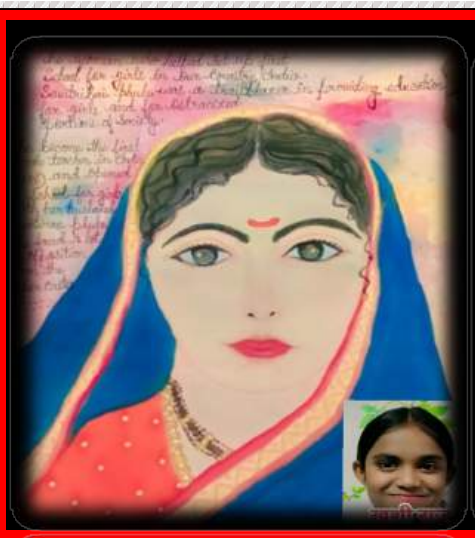

उत्क्रमित मध्य विद्यालय,
छोटका कटरा मोहनियां कैमूर
कक्षा -6 नाम अंजली कुमारी
Handmade flowers with pot

P/S ADIWASI TOLA
BHIMPUR, CHHATAPUR,
SUPAUL
बबलू कुमार, वर्ग:5

जन्म:-03 जनवरी 1831
मृत्यु:- 10 मार्च 1897

2025
आनंद राज

UMS अमांव चैनपुर, कैमूर

मध्य विद्यालय बेलागोपी,
गायघाट, मुजफ्फरपुर।

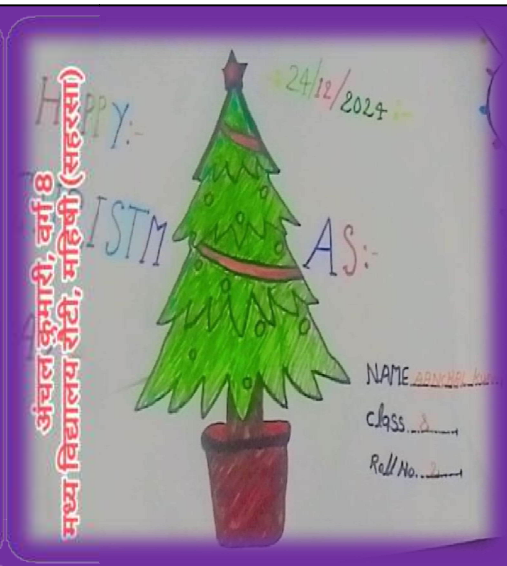

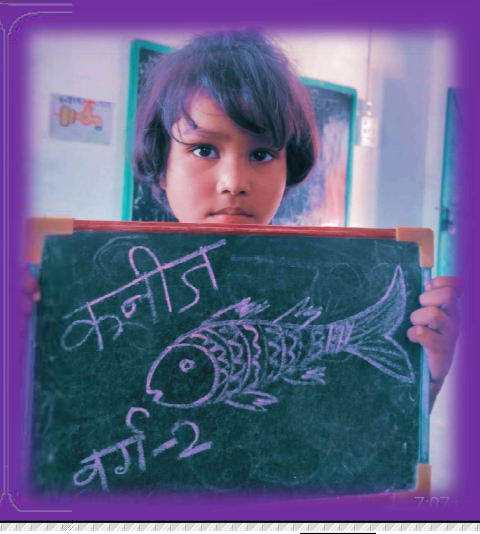

अंचल कुमारी, वर्ग-8
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

स्वतंत्रता दिवस

अंग्रेजो को जब भाती थी यह हिंदुस्तान,
उन्होंने इस पर चलाई अपनी जुल्मी शासन,
आजादी पाने के लिए
कितनो ने दी आपनी प्राण,
तब हर हिंदुस्तानी बन गया वीर जवान ।
अलग - अलग राज्य के अलग है परिधान,
भिन्न-भिन्न है रहन-सहन,
भिन्न-भिन्न है खान-पान,
पर सब के दिलो में देश भक्ती है एक समान।
पुछे हम अपने आप से एक सवाल,
क्या वाकई हुआ है भारत आजाद?
महिलाओं को न मिली पुरी सुरक्षा अब तक,
जात - पात को लेकर उलझे रहेंगे कब तक।
आओ हम करे कुछ ऐसा,
एक वीर योघ्दा जैसा,
अगर बन जाए हम सब सच्चे,
बन जाएगा देश हमारा सब से अच्छा।

नाम - अक्स नाज, कक्षा – 11, ठाकुरगंज

ठंड में सेहत का रखें ध्यान

कपड़े और शरीर की सुरक्षा

- गर्म कपड़े पहनें : ऊनी स्वेटर, जैकेट, शॉल, दस्ताने, टोपी और मोजे का उपयोग करें । शरीर को पूरी तरह से ढककर रखें ।
- लेयरिंग का तरीका अपनाएं : एक ही मोटे कपड़े के बजाय कई हल्के कपड़े पहनें । इससे शरीर को गर्म रखने में मदद मिलेगी ।
- जूते पहनें : खुले चप्पलों के बजाय बंद जूते पहनें ताकि पैरों को ठंड से बचाया जा सके ।

घर को गर्म रखें

- अलाव या हीटर का उपयोग करें : घर के अंदर गर्माहट बनाए रखने के लिए अलाव, ब्लोअर या हीटर का उपयोग करें ।
- दरवाजों और खिड़कियों को बंद रखें : ठंडी हवा को अंदर आने से रोकने के लिए दरवाजे और खिड़कियों को अच्छी तरह से बंद करें ।
- गर्म बिस्तर का उपयोग करें : बिस्तर में गर्म पानी की बोतल या इलेक्ट्रिक ब्लैंकेट का इस्तेमाल करें ।

भोजन और पेय पदार्थ

- गर्म तरल पदार्थ लें : सूप, चाय, कॉफी, हल्दी वाला दूध और हर्बल ड्रिंक्स पीएं ।
- संतुलित आहार लें : शरीर को गर्म रखने के लिए प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन से भरपूर भोजन करें ।
- ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें : बादाम, अखरोट और काजू जैसे ड्राई फ्रूट्स से शरीर को ऊर्जा और गर्मी मिलती है ।

रोज की दिनचर्या पर दें ध्यान

- त्वचा की देखभाल करें : ठंड से त्वचा रूखी हो सकती है । इसके लिए मॉइस्चराइजर और लिप बाम का उपयोग करें ।
- नियमित व्यायाम करें : हल्की एक्सरसाइज या योग करने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और रक्त संचार बेहतर होता है ।
- गर्म पानी से नहाएं : ठंड के मौसम में गुनगुने पानी का उपयोग करें ।

बाहर जाने पर सावधानी

- सुबह और रात में बाहर जाने से बचें : खासकर जब कोहरा हो या ठंड ज्यादा हो ।
- वाहन चलाते समय ध्यान रखें : कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो सकती है, इसलिए गाड़ी धीमी गति से चलाएं ।
- बच्चों और बुजुर्गों को ठंड से बचाएं : उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, इसलिए उन्हें अच्छी तरह से गर्म कपड़े पहनाएं ।

कहानी: अभिमान का सर नीचा

समुद्रतट के एक भाग में एक टिटिहरी का जोड़ा रहता था । अंडे देने से पहले टिटिहरी ने अपने पति को किसी सुरक्षित प्रदेश की खोज करने के लिये कहा । टिटिहरे ने कहा - "यहां सभी स्थान पर्याप्त सुरक्षित हैं, तू चिन्ता न कर ।" टिटिहरी - "समुद्र में जब ज्वार आता है तो उसकी लहरें मतवाले हाथी को भी खींच कर ले जाती हैं, इसलिये हमें इन लहरों से दूर कोई स्थान देख रखना चाहिये ।" टिटिहरा - "समुद्र इतना दुःसाहसी नहीं है कि वह मेरी सन्तान को हानि पहुँचाये । वह मुझ से डरता है । इसलिये तू निःशंक होकर यहीं तट पर अंडे दे दे ।" समुद्र ने टिटिहरे की ये बातें सुनलीं । उसने सोचा - "यह टिटिहरा बहुत अभिमानी है । आकाश की ओर टांगें करके भी यह इसीलिये सोता है कि इन टांगों पर गिरते हुए आकाश को थाम लेगा । इसके अभिमान का भंग होना चाहिये ।" यह सोचकर उसने ज्वार आने पर टिटिहरी के अंडों को लहरों में बहा दिया ।

टिटिहरी जब दूसरे दिन आई तो अंडों को बहता देखकर रोती-बिलखति टिटिहरे से बोली - "मूर्ख ! मैंने पहिले ही कहा था कि समुद्र की लहरें इन्हें बहा ले जायंगी । किन्तु तूने अभिमानवश मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया । अपने प्रियजनों के कथन पर भी जो कान नहीं देता उसकी दुर्गति होती ही है। इसके अतिरिक्त बुद्धिमानों में भी वही बुद्धिमान सफल होते हैं जो बिना आई विपत्ति का पहले से ही उपाय सोचते हैं, और जिनकी बुद्धि तत्काल अपनी रक्षा का उपाय सोच लेती है । 'जो होगा, देखा जायगा' कहने वाले शीघ्र ही नष्ट हो जाते हैं ।" यह बात सुनकर टिटिहरे ने टिटिहरी से कहा - मैं 'यद्भविष्य' जैसा मूर्ख और निष्कर्म नहीं हूँ । मेरी बुद्धि का चमत्कार देखती जा, मैं अभी अपनी चोंच से पानी बाहिर निकाल कर समुद्र को सुखा देता हूँ ।" टिटिहरी - "समुद्र के साथ तेरा वैर तुझे शोभा नहीं देता । इस पर क्रोध करने से क्या लाभ ? अपनी शक्ति देखकर हमे किसी से बैर करना चाहिये । नहीं तो आग में जलने वाले पतंगे जैसी गति होगी ।"

टिटिहरा फिर भी अपनी चोंचों से समुद्र को सुखा डालने की डीगें मारता रहा । तब, टिटिहरी ने फिर उसे मना करते हुए कहा कि जिस समुद्र को गंगा-यमुना जैसि सैंकड़ों नदियां निरन्तर पानी से भर रही हैं उसे तू अपने बूंद-भर उठाने वाली चोंचों से कैसे खाली कर देगा ? टिटिहरा तब भी अपने हठ पर तुला रहा। तब, टिटिहरी ने कहा - "यदि तूने समुद्र को सुखाने का हठ ही कर लिया है तो अन्य पक्षियों की भी सलाह लेकर काम कर । कई बार छोटे २ प्राणी मिलकर अपने से बहुत बड़े जीव को भी हरा देते हैं; जैसे चिड़िया, कठफोड़े और मेंढक ने मिलकर हाथी को मार दिया था । टिटिहरा - "अच्छी बात है । मैं भी दूसरे पक्षियों की सहायता से समुद्र को सुखाने का यत्न करुँगा ।"

यह कहकर उसने बगुले, सारस, मोर आदि अनेक पक्षियों को बुलाकर अपनी दुःख-कथा सुनाई । उन्होंने कहा - "हम तो अशक्त हैं, किन्तु हमारा मित्र गरुड़ अवश्य इस संबन्ध में हमारी सहायता कर सकता है ।' तब सब पक्षी मिलकर गरुड़ के पस जाकर रोने और चिल्लाने लगे - "गरुड़ महाराज ! आप के रहते हमारे पक्षिकुल पर समुद्र ने यह अत्याचार कर दिया । हम इसका बदला चाहते हैं । आज उसने टिटिहरी के अंडे नष्ट किये हैं, कल वह दूसरे पक्षियों के अंडों को बहा ले जायगा । इस अत्याचार की रोक-थाम होनी चाहिये । अन्यथा संपूर्ण पक्षिकुल नष्ट हो जायगा ।" गरुड़ ने पक्षियों का रोना सुनकर उनकी सहायता करने का निश्चय किया । उसी समय उसके पास भगवान् विष्णु का दूत आया । उस दूत द्वारा भगवान विष्णु ने उसे सवारी के लिये बुलाया था । गरुड़ ने दूत से क्रोधपूर्वक कहा कि वह विष्णु भगवान को कह दे कि वह दूसरी सवारी का प्रबन्ध कर लें । दूत ने गरुड़ के क्रोध का कारण पूछा तो गरुड़ ने समुद्र के अत्याचार की कथा सुनाई ।

दूत के मुख से गरुड़ के क्रोध की कहानी सुनकर भगवान विष्णु स्वयं गरुड़ के घर गये । वहाँ पहुँचने पर गरुड़ ने प्रणामपूर्वक विनम्र शब्दों में कहा - "भगवन् ! आप के आश्रम का अभिमान करके समुद्र ने मेरे साथी पक्षियों के अंडों का अपहरण कर लिया है । इस तरह मुझे भी अपमानित किया है । मैं समुद्र से इस अपमान का बदला लेना चाहता हूँ ।"

भगवान विष्णु बोले - "गरुड़ ! तुम्हारा क्रोध युक्तियुक्त है । समुद्र को ऐसा काम नहीं करना चाहिये था । चलो, मैं अभी समुद्र से उन अंडों को वापिस लेकर टिटिहरी को दिलवा देता हूँ । उसके बाद हमें अमरावती जाना है ।" तब भगवान ने अपने धनुष पर 'आग्नेय' बाण को चढ़ाकर समुद्र से कहा -"दुष्ट ! अभी उन सब अंडों को वापिस देदे, नहीं तो तुझे क्षण भर में सुखा दूंगा ।" भगवान विष्णु के भय से समुद्र ने उसी क्षण अंडे वापिस दे दिये ।

सीख : अभिमान का सिर नीचा ।

****

अंजनी कुमारी, वर्ग:5

रेखा टुडु

PAD

आलोक कुमार,
प्रा. वि. भुसवर, दासटोल, समस्तीपुर

यश और आदित्य
वर्ग-3

बालमन

ToB
बाल मंच
मैं संस्कृति चौधरी, मैं कक्षा पंचम की छात्रा हूँ। मैंने ToB बाल मंच से कहानी लेखन की शुरुआत की और मेरी बाल कथाओं की पुस्तक "शरारती बंदर मन्कू" के लिए मेरा नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया गया है। मेरे इस सफर में टीचर्स ऑफ बिहार की अहम भूमिका रही। इस हेतु मैं बाल मंच की पूरी टीम को धन्यवाद प्रेषित करती हूँ।
INDIA BOOK OF RECORDS 2024
संस्कृति चौधरी

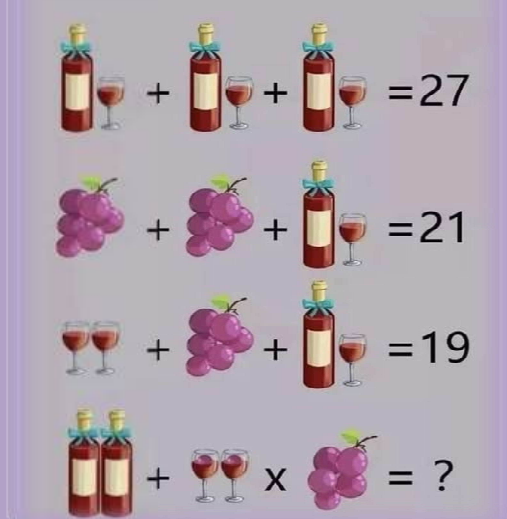
+ + =27
+ + =21
+ + =19
+ x = ?

वर्ग VII
ज्यामितीय आकृति की
समझ

कनीज

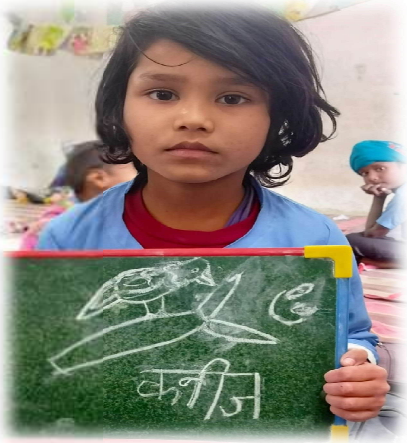

रानी कुमारी
वर्ग ..6
मध्य विद्यालय पनसलवा बेलदौर

Radha Krishn....
श्रेया झा, वर्ग-6,
अरूणावती म. वि. बहरामपुर, भागलपुर

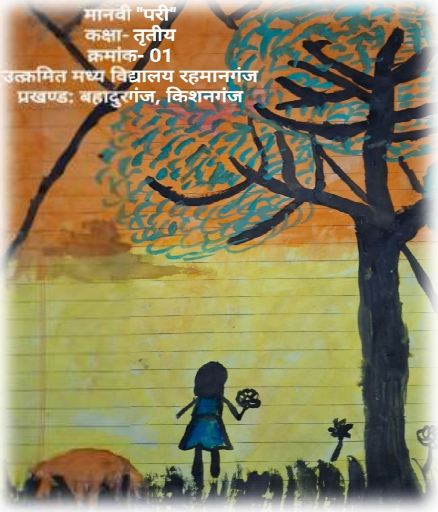

मानवी "परी"
कक्षा- तृतीय
क्रमांक- 01
उत्क्रमित मध्य विद्यालय रहमानगंज
प्रखण्ड: बहादुरगंज, किशनगंज

सत्यम कुमार

ART By PARUL

HOSPITAL
आयुष कुमार,
वर्ग 5,

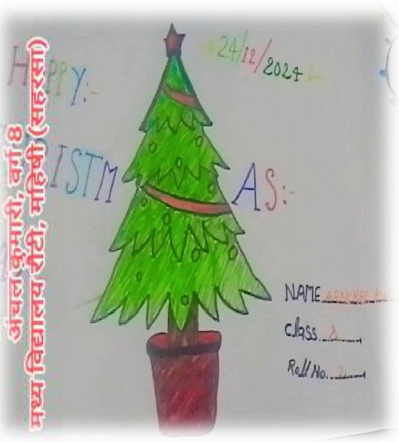

अंचल कुमारी, वर्ग 8
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)
24/12/2024
NAME
class
Roll No.

अख़बार के नजरों में हम.....

टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल कार्यक्रम में 5 शिक्षक दे रहे बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक ग्रुप स्कूल ऑन मोबाइल के माध्यम से जिले के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम से मोतिहारी के पांच शिक्षक भी जुड़े हैं। इन शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से कक्षा पांच से 10वीं तक के बच्चों को पढ़ाया जाता है। टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिले से 50 शिक्षक-शिक्षिका जुड़े हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक ग्रुप "स्कूल ऑन मोबाइल" पर बच्चों को 18 जनवरी से ही शिक्षा प्रदान की जा रही है। प्रतिदिन दो ग्रुप में पढ़ाई होती है। प्रथम समूह के अंतर्गत सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को जिले के कल्याणपुर प्रखंड के शिक्षक मनीष कुमार पांडेय, के द्वारा वर्ग आठ के बच्चों को गणित, नवाब ठाकुर के द्वारा वर्ग 10 के बच्चों को जीवविज्ञान एवं चिरैया प्रखंड के शिक्षक सुनील कुमार पांडेय द्वारा वर्ग आठ के बच्चों को संस्कृत विषय पढ़ाया जाता है। वही दूसरे समूह के अंतर्गत मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को कल्याणपुर प्रखंड के शिक्षक सचिन्द्र कुमार के द्वारा वर्ग छह के बच्चों को भूगोल एवं सुनील कुमार पांडेय के द्वारा वर्ग 10 के बच्चों को इतिहास विषय पढ़ाया जाता है। टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक ग्रुप के स्कूल ऑन मोबाइल कार्यक्रम के मॉडरेटर केशव कुमार ने कहा कि जिले के बच्चों को टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाया जा रहा है। किसी तरह की तकनीकी समस्या हो तो मोबाइल नंबर 8969900475 पर वाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने बताया कि बच्चों की सुविधा के लिए ऑनलाइन कक्षा संचालन से संबंधित वीडियो का लिंक को विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर साझा किया जाता है।

इन विद्यालयों के हैं शिक्षक

शिक्षक	विद्यालय
मनीष कुमार पांडेय-	राजकीय मध्य विद्यालय तुलसीपट्टी, कल्याणपुर।
सुनील कुमार उपाध्याय-	नव सृजित प्राथमिक विद्यालय, शम्भूचक, कल्याणपुर।
सचिन्द्र कुमार -	उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिसवा बसंत, कल्याणपुर।
सुनील कुमार पांडेय-	उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंगुरहां, चिरैया।
नवाब ठाकुर :	उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नगरगांवा, कल्याणपुर।

"टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स" समूह का बिहार के सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने को लेकर बेहतरीन प्रयास

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। "टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स" समूह विगत पांच वर्षों से सरकारी विद्यालय के शिक्षकों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म साबित हुआ है और आगे भी बेहतर करने के लिए दृढ़संकल्पित है। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में यह समूह लगातार बेहतर करने के लिए दृढ़संकल्पित है।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शैक्षिक बेहतरी के लिए शिक्षक, सरकार और शिक्षा से जुड़े तमाम हितधिकारियों के द्वारा अनेकानेक प्रयास किये जा रहे हैं। विशेष रूप से शिक्षकों के द्वारा अनेक पहल, हस्तक्षेप और नवाचार किये जा रहे हैं। टीचर्स ऑफ बिहार एक ऐसा मंच है जो शिक्षकों एवं शिक्षा से जुड़े सभी लोगों के द्वारा किये जा रहे शैक्षिक प्रयासों को साझा करने, नवाचारों से सीखने और लागू करने का अवसर और पहचान प्रदान करता है। टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों द्वारा, शिक्षकों के लिए एवं शिक्षकों का एक ऐसा अभिनव मंच है जो आपके सार्थक प्रयासों को पहचान और दिशा प्रदान करते हुए आपको और सभी को गौरवान्वित होने का अनेकानेक अवसर उपलब्ध कराने हेतु कृतसंकल्पित है। इस

> **» टीचर्स ऑफ बिहार ने ठाना है, बिहार के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल बनाना है**

बेहतरीन प्लेटफॉर्म की शुरूआत पटना जिले के शिक्षक श्री शिव कुमार ने कुछ अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर सन् 2019 में की। दिन प्रतिदिन यह मंच विगत पांच वर्ष से बिहार के सरकारी विद्यालय के शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होता गया और आज इस मंच की सार्थकता इस बात का गवाह है की यहां बिहार के लाखों शिक्षक जुड़कर प्रतिदिन अपने विद्यालय में कराए जा रहे नवाचार, गतिविधि या अन्य शैक्षणिक कार्य साझा करते हैं जिसे अन्य शिक्षक प्रेरित होकर अपने विद्यालय में लागू करते है। प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर एवं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने बताया कि टीचर्स ऑफ बिहार ने ठाना है,बिहार के सरकारी विद्यालयों में शैक्षिक क्रांति लाना है। इस समूह के साथ सरकारी विद्यालय के विभिन्न जिलों से ऐसे-ऐसे उत्कृष्ट शिक्षक जुड़े हैं जो सरकारी विद्यालय में शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल तैयार करने को लेकर इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अन्य शिक्षकों के बीच अलख जगाने का काम कर रहे हैं। मृत्युंजय ठाकुर ने बताया कि यह मंच बिना किसी सरकारी सहायता के विगत पांच वर्ष से सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने को लेकर बेहतरीन प्रयास कर रही है,जिसके फलस्वरूप आज बिहार के सरकारी विद्यालय में इस प्रयास का असर दिखना शुरू हो गया है। टीचर्स ऑफ बिहार के मॉडरेटर केशव कुमार ने बताया कि हमारा प्रयास अनवरत जारी रहेगा। हम बिहार के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल शत-प्रतिशत लागू करने की दिशा में कार्य करते रहेंगे। विगत पांच वर्ष से टीचर्स ऑफ बिहार ने सरकारी विद्यालय एवं शिक्षकों के लिए जो बेहतरीन प्रयास किया है,उसका परिणाम यह है कि आज देश भर में "टीचर्स ऑफ बिहार-बिहार-द चेंज मेकर्स" समूह के कार्यों को प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में लागू करने की चर्चा हो रही है।

टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स समूह का व्यावसायिक शिक्षण समुदाय के क्षेत्र में बढ़ता कदम

2019 से बिहार के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए है प्रेरणास्रोत

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) भी कर चुका है टीचर्स ऑफ बिहार की प्रशंसा

ओम एक्सप्रेस

पटना..... राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (पीएलसी) को देश में बढ़ावा देने की बात की गई है।देश के सभी राज्यों में व्यावसायिक शिक्षण समुदाय को आगे लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रतिबद्ध है। विदित हो कि बिहार में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी सन् 2019 से ही "टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स" के नाम से संचालित है जिसकी नींव पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने कुछ अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर रखी। हाल ही में इस समूह की सराहना एनसीईआरटी ने भी की है और ऐसी समूह देश के सभी राज्यों में संचालित हो, इस पर जोर दिया है। टीचर्स ऑफ बिहार का कारवां धीरे-धीरे बढ़ते हुए आज राज्य के लगभग सभी जिलों एवं प्रखण्डों तक पहुंच गया है। इस समूह में एक से बढ़कर एक सरकारी विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षक जुड़े हैं जो निःस्वार्थ भाव से पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं लगन के साथ बिहार के सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने के लिए कार्य करते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर एवं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने बताया कि यह समूह बिना किसी सरकारी सहायता के बिहार के सरकारी विद्यालयों के शैक्षिक माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में विगत पांच वर्षों से काम कर रहा है। आज स्थिति यह है कि इस समूह के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लाखों शिक्षक जुड़कर अपने विद्यालय में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहें है। साथ ही इस समूह के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने-अपने विद्यालय में कराये जा रहे गतिविधि, नवाचार या अन्य शैक्षणिक कार्य को साझा करते हैं जिसे देखकर अन्य शिक्षक भी प्रेरित होकर अपने विद्यालय में उस नवाचार को लागू करते हैं।यह समूह शिक्षकों के साथ साथ छात्रों की उपलब्धि को बेहतर बनाने की दिशा में भी अग्रणी रूप में काम करता है। इस समूह का मकसद है शिक्षकों को प्रभावी ढंग से सहयोग करने के साथ-साथ छात्रों को बेहतर तरीके से सीखने में मदद करने के लिए संसाधनों को साझा करने का माहौल तैयार करना।

टीचर्स ऑफ बिहार के मॉडरेटर केशव कुमार ने बताया कि बिहार के शिक्षकों और छात्रों के शैक्षिक बेहतरी के उद्देश्य से प्रतिदिन विविध सामग्री जैसे- दिवस ज्ञान, दिवस विशेष, जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि विशेष, शिशा शब्द कोष, रोचक तथ्य, खेल कॉर्नर एवं सुविचार से संबंधित शैक्षिक सामग्री को "दैनिक ज्ञानकोश" के रूप में संकलित कर प्रदेश के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ साझा किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित "दैनिक ज्ञानकोश" पत्रिका बिहार के शिक्षकों और छात्रों के शैक्षिक बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इसमें सम्मिलित सामग्री शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षण में मदद करती है और छात्रों के ज्ञान को व्यापक बनाती है।

टेक्निकल टीम के लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि हमारा उद्देश्य यह है कि टीचर्स ऑफ बिहार व्यावसायिक शिक्षण समुदाय के क्षेत्र में एक ऐसा मुकाम हासिल करें जिसकी प्रशंसा न केवल सरकारी विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र ही करें बल्कि छात्रों के अभिभावक भी करें।

समूह के संस्थापक शिव कुमार ने कहा कि इस समूह के द्वारा बिहार के सरकारी विद्यालयों के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है जिससे प्रेरणा लेकर शिक्षक अपने विद्यालय में छात्रों के बीच गुणात्मक शिक्षा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और प्रतिदिन अपने-अपने विद्यालय में एक से बढ़कर एक गतिविधि एवं नवाचार के माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। समूह का शिक्षकों के साथ मिलकर काम करने, एक दूसरे से सीखने, छात्रों को सीखने में सहायता करने के साथ-साथ इस दिशा में लगातार प्रयास जारी रहेगा, जब तक बिहार के सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसा माहौल न दिख जाए।

टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स समूह का व्यावसायिक शिक्षण समुदाय के क्षेत्र में बढ़ रहा है कदम

मोतिहारी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (पीएलसी) को देश में बढ़ावा देने की बात की गई है।देश के सभी राज्यों में व्यावसायिक शिक्षण समुदाय को आगे लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रतिबद्ध है। विदित हो कि बिहार में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी सन् 2019 से ही टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स के नाम से संचालित है जिसकी नींव पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने कुछ अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर रखी। हाल ही में इस समूह की सराहना एनसीईआरटी ने भी की है और ऐसी समूह देश के सभी राज्यों में संचालित हो, इस पर जोर दिया है। टीचर्स ऑफ बिहार का कारवां धीरे-धीरे बढ़ते हुए आज राज्य के लगभग सभी जिलों एवं प्रखण्डों तक पहुंच गया है। इस समूह में एक से बढ़कर एक सरकारी विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षक जुड़े हैं जो निःस्वार्थ भाव से पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं लगन के साथ बिहार के सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने के लिए कार्य करते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर एवं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने बताया कि यह समूह बिना किसी सरकारी सहायता के बिहार के सरकारी विद्यालयों के शैक्षिक माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में विगत पांच वर्षों से काम कर रहा है। आज स्थिति यह है कि इस समूह के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लाखों शिक्षक जुड़कर अपने विद्यालय में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहें है। साथ ही इस समूह के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने-अपने विद्यालय में कराये जा रहे गतिविधि, नवाचार या अन्य शैक्षणिक कार्य को साझा करते हैं जिसे देखकर अन्य शिक्षक भी प्रेरित होकर अपने विद्यालय में उस नवाचार को लागू करते हैं।यह समूह शिक्षकों के साथ साथ छात्रों की उपलब्धि को बेहतर बनाने की दिशा में भी अग्रणी रूप में काम करता है। इस समूह का मकसद है शिक्षकों को प्रभावी ढंग से सहयोग करने के साथ-साथ छात्रों को बेहतर तरीके से सीखने में मदद करने के लिए संसाधनों को साझा करने का माहौल तैयार करना।

टीचर्स ऑफ बिहार के मॉडरेटर केशव कुमार ने बताया कि बिहार के शिक्षकों और छात्रों के शैक्षिक बेहतरी के उद्देश्य से प्रतिदिन विविध सामग्री जैसे- दिवस ज्ञान, दिवस विशेष, जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि विशेष, शिशा शब्द कोष, रोचक तथ्य, खेल कॉर्नर एवं सुविचार से संबंधित शैक्षिक सामग्री को "दैनिक ज्ञानकोश" के रूप में संकलित कर प्रदेश के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ साझा किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित दैनिक ज्ञानकोश पत्रिका बिहार के शिक्षकों और छात्रों के शैक्षिक बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है।इसमें सम्मिलित सामग्री शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षण में मदद करती है और छात्रों के ज्ञान को व्यापक बनाती है।

टेक्निकल टीम के लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि हमारा उद्देश्य यह है कि टीचर्स ऑफ बिहार व्यावसायिक शिक्षण समुदाय के क्षेत्र में एक ऐसा मुकाम हासिल करें जिसकी प्रशंसा न केवल सरकारी विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र ही करें बल्कि छात्रों के अभिभावक भी करें।

समूह के संस्थापक शिव कुमार ने कहा कि इस समूह के द्वारा बिहार के सरकारी विद्यालयों के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है जिससे प्रेरणा लेकर शिक्षक अपने विद्यालय में छात्रों के बीच गुणात्मक शिक्षा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और प्रतिदिन अपने-अपने विद्यालय में एक से बढ़कर एक गतिविधि एवं नवाचार के माध्यम से शिक्षा दे रहे हैं। समूह का शिक्षकों के साथ मिलकर काम करने, एक दूसरे से सीखने, छात्रों को सीखने में सहायता करने के साथ-साथ इस दिशा में लगातार प्रयास जारी रहेगा, जब तक बिहार के सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसा माहौल न दिख जाए।

बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में संस्कृति की पुस्तक

पोठिया, निज संवाददाता। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हुई किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड की तैयबपुर निवासी सरोज कुमार चौधरी की दस वर्षीय पुत्री संस्कृति चौधरी। संस्कृति चौधरी ने इस उपलिब्ध प्राप्त कर एक बार फिर किशनगंज जिले का नाम रौशन की है।

संस्कृति ने दस वर्ष के उम्र में ही बाल साहित्य की पुस्तक शरारती बंदर मन्कु लिख डाली थी। संस्कृति चौधरी की इस उपलब्धि के कारण उन्हें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2024 में स्थान मिला है। बताते चले कि संस्कृति एक सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से आती है। संस्कृति चौधरी को बहुत छोटी उम्र से ही कहानियां पढ़ने और लिखने का शौक रहा है। इसी क्रम में उनकी पुस्तक जो कि अमेज़ॉन और फ्लिपकार्ट जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म पर खूब धमाल मचा चुकी है। संस्कृति के इस उपलब्धि के लिए जिले के लोग काफी उत्साहित हैं और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है। इससे पहले जहां संस्कृति चौधरी की लिखी पुस्तक को जिलापदधिकारी विशाल राज ने अवलोकन किया तो वही राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर भी प्रोत्साहित कर चुके हैं।

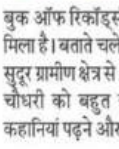

संस्कृति ने महज 10 वर्ष की उम्र में पुस्तक लिखी थी

कैमरे की नजर में टीचर्स ऑफ़ बिहार स्थापना दिवस.....

परीक्षा पर चर्चा 2025

https://www.teachersofbihar.org/eip/pariksha-pe-charcha-2025

प्रिय शिक्षकगण,

आप सभी को "परीक्षा पे चर्चा 2025" में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है! यह आयोजन एक सुनहरा अवसर है, जहाँ हम सभी मिलकर छात्रों के परीक्षा तनाव को कम करने, मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने और शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इस बार का विषय 'परीक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर करना' है। ToB आपसे आग्रह करती है कि आप इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लें और इस अवसर का लाभ उठाकर शिक्षा जगत को नई ऊर्जा प्रदान करें। परीक्षा पे चर्चा में भाग लेने की अंतिम तिथि 14 जनवरी है।अधिक जानकारी के लिए ऊपर दिए गए लिंक पर क्लिक करें।

आइए, मिलकर इस मुहिम को साकार करें! टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा शिक्षाहित में प्रेषित.....

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email-
balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp: 8877318781
(Tripurari Roy)

धन्यवाद

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

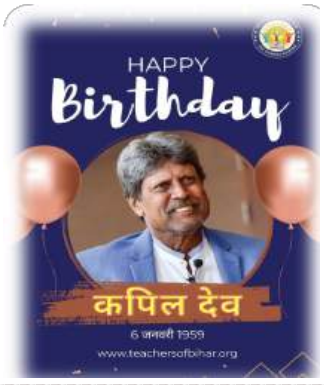

THANKS FOR A VIEW